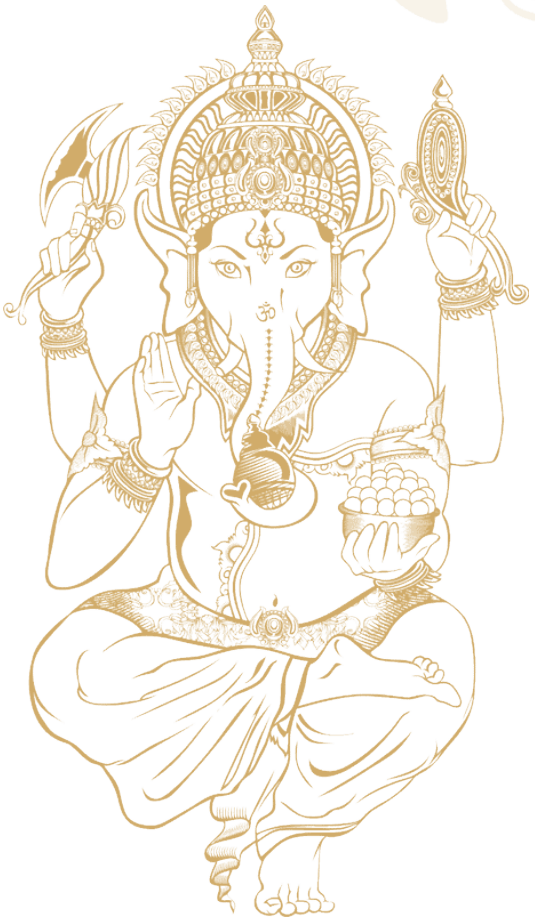

Ketan

05 Apr 1996

02:45 PM

Bharatpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121083702

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/04/1996**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**14:45:00 घंटे**
इष्ट	21:36:00 घटी
स्थान	**Bharatpur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:13:00 उत्तर
रेखांश	77:29:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:24:56 घंटे
वेलान्तर	-00:02:40 घंटे
साम्पातिक काल	03:20:45 घंटे
सूर्योदय	06:06:36 घंटे
सूर्यास्त	18:39:20 घंटे
दिनमान	12:32:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	22:03:50 मीन
लग्न के अंश	01:02:39 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	हर्षण
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रु-रूपेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	01:02:39	313:41:47	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	---
सूर्य			मीन	22:03:50	00:59:02	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			तुला	09:10:59	13:33:17	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	मीन	15:18:43	00:46:20	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	मित्र राशि
बुध		अ	मेष	00:39:10	02:02:30	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	सम राशि
गुरु			धनु	22:32:20	00:05:15	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	स्वराशि
शुक्र			वृष	07:51:28	00:56:51	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	स्वराशि
शनि		अ	मीन	05:57:18	00:07:15	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु			कन्या	23:19:49	00:00:03	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	23:19:49	00:00:03	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	10:19:04	00:01:38	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
नेप			मक	03:47:16	00:00:47	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	09:03:08	00:00:58	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	28:47:14	--	कृतिका	--	3	मंगल	सूर्य	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:22

लग्न-चलित

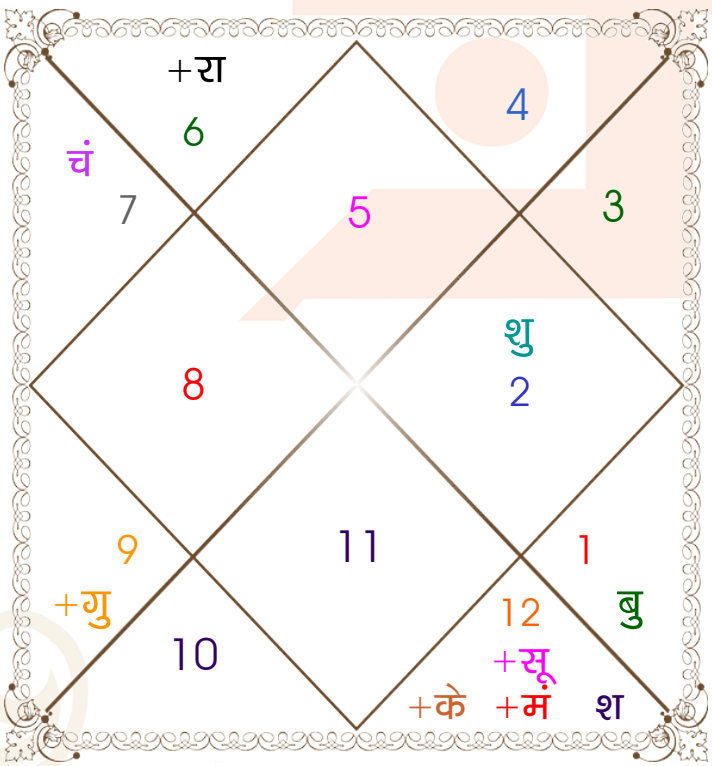

चन्द्र कुंडली

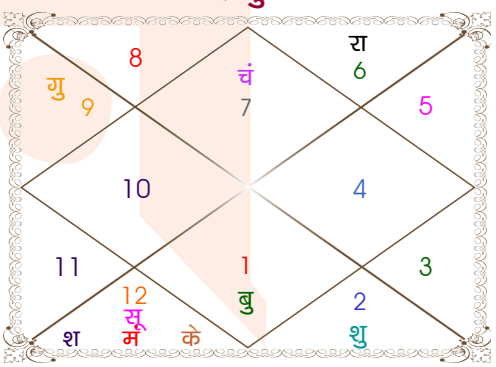

नवमांश कुंडली

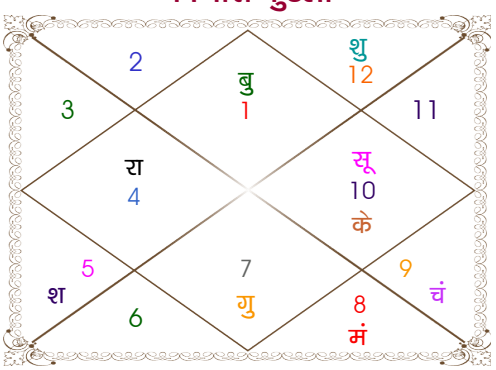

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 14 वर्ष 7 मास 7 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
05/04/1996		12/11/2010		12/11/2026		12/11/2045		12/11/2062	
12/11/2010		12/11/2026		12/11/2045		12/11/2062		12/11/2069	
	05/04/1996	गुरु	30/12/2012	शनि	15/11/2029	बुध	09/04/2048	केतु	10/04/2063
गुरु	18/12/1997	शनि	13/07/2015	बुध	25/07/2032	केतु	06/04/2049	शुक्र	09/06/2064
शनि	24/10/2000	बुध	18/10/2017	केतु	03/09/2033	शुक्र	05/02/2052	सूर्य	15/10/2064
बुध	13/05/2003	केतु	24/09/2018	शुक्र	02/11/2036	सूर्य	12/12/2052	चंद्र	16/05/2065
केतु	31/05/2004	शुक्र	25/05/2021	सूर्य	15/10/2037	चंद्र	13/05/2054	मंगल	12/10/2065
शुक्र	01/06/2007	सूर्य	13/03/2022	चंद्र	16/05/2039	मंगल	10/05/2055	राहु	31/10/2066
सूर्य	24/04/2008	चंद्र	13/07/2023	मंगल	24/06/2040	राहु	27/11/2057	गुरु	07/10/2067
चंद्र	24/10/2009	मंगल	18/06/2024	राहु	01/05/2043	गुरु	04/03/2060	शनि	14/11/2068
मंगल	12/11/2010	राहु	12/11/2026	गुरु	12/11/2045	शनि	12/11/2062	बुध	12/11/2069

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
12/11/2069		12/11/2089		12/11/2095		13/11/2105		12/11/2112	
12/11/2089		12/11/2095		13/11/2105		12/11/2112		00/00/0000	
शुक्र	13/03/2073	सूर्य	01/03/2090	चंद्र	11/09/2096	मंगल	11/04/2106	राहु	26/07/2115
सूर्य	13/03/2074	चंद्र	31/08/2090	मंगल	12/04/2097	राहु	29/04/2107	गुरु	06/04/2116
चंद्र	12/11/2075	मंगल	06/01/2091	राहु	12/10/2098	गुरु	04/04/2108		00/00/0000
मंगल	11/01/2077	राहु	30/11/2091	गुरु	11/02/2100	शनि	14/05/2109		00/00/0000
राहु	12/01/2080	गुरु	18/09/2092	शनि	13/09/2101	बुध	11/05/2110		00/00/0000
गुरु	12/09/2082	शनि	31/08/2093	बुध	12/02/2103	केतु	07/10/2110		00/00/0000
शनि	12/11/2085	बुध	07/07/2094	केतु	13/09/2103	शुक्र	07/12/2111		00/00/0000
बुध	11/09/2088	केतु	12/11/2094	शुक्र	14/05/2105	सूर्य	13/04/2112		00/00/0000
केतु	12/11/2089	शुक्र	12/11/2095	सूर्य	13/11/2105	चंद्र	12/11/2112		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 14 वर्ष 6 मा 29 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न के उदय काल में मेष राशि के नवमांश एवं सिंह राशि के द्रेष्काण में हुआ था। यह जन्मकालिक संयोजन उत्तम प्रकार की आकृति स्थापित कर आपकों उत्तम प्रकार का व्यवहार कुशल प्राणी बनाया है।

आप जंगल का राजा सिंह के समान हैं। आप सभी प्रकार की स्थिति का पर्यावलोकन करने के लिए समर्थ हैं आपको प्रकृति ने सभी प्रकार के पत्ते को छाँटने के लिए स्वामित्व प्रदान किया है। अर्थात आप सभी प्रकार के कार्य का सम्पादन कर सकते हैं।

प्रकृति ने आपको साहसी आत्मविश्वासी, नेतृत्व करने के गुणों से युक्त एवं समृद्धवान बनाया है। आप अच्छी प्रकार सोच विचार कर किसी भी विषय में कार्य करें तो आप विजयी हो सकते हैं। परन्तु विषय वस्तु को भली प्रकार अर्थात् सावधानी पूर्वक अग्रसारित करें। आप अन्य लोगों पर अपनी विश्वसनीयता का पूर्ण प्रभाव प्रदर्शित करते हैं। आप मुक्त हस्त से धन का दुरूपयोग करेंगे तो सन्देह है कि आप इस प्रकार समर्थ नहीं हो सकेंगे। फलस्वरूप इस प्रकार धन का दुरूपयोग करना शोभनीय नहीं है। आप ऐसा अनुभव करें जब आप वृद्धावस्था को प्राप्त होंगे तब तक आपके बैंक का शेष क्षीण हो जाएगा और आप धन के मामले में कमजोर हो जाएंगे। अन्य तथ्य यह है कि जब आपके धन की थैली अन्य के सहयोग में खर्च हो जाएंगे तथा आप इस प्रकार उदारता बरतने के अभिलाषी रहे तो आपकी आकांक्षा अधूरी रह जाएगी। अतः आप दृढ़तापूर्वक अपनी (फिजूल खर्ची) अपव्यय को नियंत्रित करना परमावश्यक है। अतः आप इस प्रवृति का परित्याग करें अन्यथा आपके जीवन के अन्त समय में धन का अभाव कष्टदायक एवं अनुभव पूर्ण रहेगा।

आपकी प्रवृति धार्मिक है। आप धर्मपारायण एवं अपने माता-पिता के प्रति निष्ठावान हैं। आपकी अभ्युक्ति सेवा भावना की रहती है तथा आप विश्वास पूर्वक मानव सेवा को भगवान की सेवा समझते हैं। परिणामस्वरूप आपके लिए अभावग्रस्त व्यक्तियों को निश्चित रूप से दान करना अनिवार्य है। अर्थात् आप पर्याप्त मात्रा में दान करने में सुखानुभूति करते हैं।

आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप भव्य, दीर्घकाय, चौड़े कन्धे वाले मुलायम और घने बालों वाले समय से पूर्व गंजा हो जाने वाले, वर्त्तमान काल के प्रभावशाली हुक्म चलाने वाले एवं प्रतिभा सम्पन्न दबंग व्यक्ति है। इसलिए आपके अनुकूल पद-प्रतिष्ठा हेतु प्रबन्धक भारी उद्योग/कम्पनी के उच्चाधिकारी या निगम के उच्चाधिकारी का पद उपयुक्त है। आरामदायक वस्तुओं का निर्माण करना अथवा ट्रेडिंग का कार्य करने से अच्छी आय होगी। विडियों कैमरा का कार्य व्यवसाय भी उत्तम होगा। अथवा इसके अतिरिक्त आप व्यवसायों में वित्तीय व्यवसाय बन्धक कार्य, भूमि भवन सम्बंधी क्रय-विक्रय, किराया, भूमि एवं कृषि कार्य अथवा पठन-पाठन, शैक्षणिक संस्थान का संचालन कार्य व्यवसाय भी आपके योग्य है।

सिंह लग्न/राशीय प्रभावित गुणों के आधार पर आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। संयोगवश यदा-कदा ज्वर पीड़ा से आक्रान्त भी हो सकते हैं परन्तु शीघ्रतापूर्वक आरोग्य लाभ

प्राप्त कर लेंगे। क्योंकि आप के शरीर में लौह गुण (शक्ति) विद्यमान है। इसके बाद सिंह राशीय निर्देशानुसार आप हृदय रोग, पीठ के रीढ़ की हड्डी रोगादि आपके स्वास्थ्य में न्यूनता ला सकता है। परिणाम स्वरूप हृदय की धड़कन शोथ रोग तथा सिर में चक्कर आना संभाव्य है। अस्तु उत्तम तो यह होगा कि आप अधिक भोजन करना तथा अत्यधिक मद्यपान करने वाली प्रवृति का त्याग करें। यदि आप पूर्णिमा का व्रत रखें तो यह अनिष्टकारी प्रभाव से रक्षा करने में सहायक होगा। आप प्रसन्नतम एवं आनन्ददायक पारिवारिक जीवन तथा स्वस्थ सन्तान एवं समझदार पत्नी को सुख प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 2 एवं 7 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है। आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे। ब्लू, सफेद एवं काला रंग आपके लिए सर्वथा त्याज्य है।